


आजादी का अमृत महोत्सव (India@75) कार्यक्रम के दौरान दिनांक 23.11.2021 को केन्द्रीय मृदा एवं सामग्री अनुसंधानशाला में "आयुर्वेद" के विषय पर श्री यू सी गुप्ता, वैज्ञानिक 'बी' द्वारा ऑनलाइन भाषण दिया गया। [#आजादीकाअमृतमहोत्सव](#)

NH Honkanadavar U C GUPTA CSMRS, New Delhi

75 आजादी का अमृत महोत्सव

- हमारे शरीर जिन पांच तत्वों से पूर्ण होते हैं उनके आधार पर हमारे शरीर का दोष और रोगों के उपचार का समाधान भी मिलते हैं।
- इसीलिए आयुर्वेद को पौराणिक विज्ञान में भी जीवन का आधार माना गया है।
- हमारे रोजमर्राह के दौड़ भाग में, हम जीवन के इस आधार को भूल गये।
- हम भूल गये हैं के खाना शरीर का जरूरत है, कोई मनोरंजन नहीं।
- स्वादिष्ट भोजन के पीछे हम सुस्वस्थ भोजन को अक्सर नजरअंदाज करते हैं।
- आयुर्वेदिक मेडिसिन और आयुर्वेदिक जीवन शैली हमारे लिए फायदेमंद और अत्यधिक महत्वा पूर्ण है।
- आयुर्वेदिक दवाओं से कठिन से कठिन बिमारियों का भी इलाज बिना सर्जरी या ऑपरेशन संभव है।



- अत्यकालीन किलनी विफलता (AKI)
- दीर्घकालीन किलनी विफलता (CKD)
- पेशाब का संक्रमण (UTI)
- पोलिसिस्टिक किलनी डिजीज (PKD)
- ग्लोमेरुलोनैफ्राइटिस (GN)
- किलनी में पथरी (Kidney stone)
- प्रोस्टेट की बीमारी (BPH)
- नेफ्रोटिक सिंड्रोम (Nephrotic syndrome)

da by Shri U. C. Gupta, Scientist 'B', CSMRS-2021123 0529-1

N. P. Honkanadavar U C GUPTA CSMRS, New Delhi

75 आजादी का अमृत महोत्सव

आयुर्वेद, सकारात्मक स्वास्थ्य जीवन के निम्न चार पोषित लक्ष्यों (चतुर्विध पुरुषार्थ) को प्राप्त करने का आधार है।

धर्म  
अर्थ  
काम  
मोक्ष

सकारात्मक स्वास्थ्य के बिना इन चारों लक्ष्यों को प्राप्त नहीं किया जा सकता है।



धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष



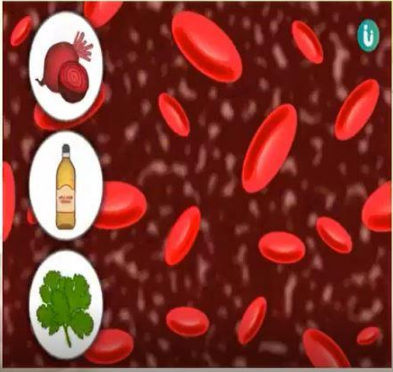
veda by Shri U. C. Gupta, Scientist 'B', CSMRS-2021123 0529-1

NH Honkanadavar U C GUPTA CSMRS, New Delhi


## आयुर्वेदिक उपचार एवं आयुर्वेदिक दवा

75 आज़ादी का अमृत महोत्सव

- आयुर्वेदिक उपचार, चिकित्सक द्वारा मरीज की समस्याओं के अनुसार विशेष रूप से बनाई गई एक उपचार योजना है।
- मरीज की शारीरिक संरचना ध्यान में रखते हुए दवा दिया जाता है।
- आयुर्वेदिक चिकित्सा और आयुर्वेदिक दवा का लक्ष्य हैं शरीर की सफाई।
- बिना पाचन के जो खाना शरीर में रह जाता है उसे हम बेकार या अपशिष्ट मानते हैं। यह अपशिष्ट खाना आपके शरीर में रह सकता है और बीमारी को जन्म दे सकता है।
- यह शरीर का शोधन, अलग अलग दवा और चिकित्सा प्रणालियाँ आजमा कर के किया जा सकता है।
- आयुर्वेदिक चिकित्सक रक्त शोधन, मालिश, वैक्यूम टैपिंग, मीसाजोथेरेपी, फिफ्टीन, जुलाब आदि प्रणालियों को आजमा सकता है।



Presented by Shri U. C. Gupta, Scientist 'B', CSMRS-2021123 0529-1

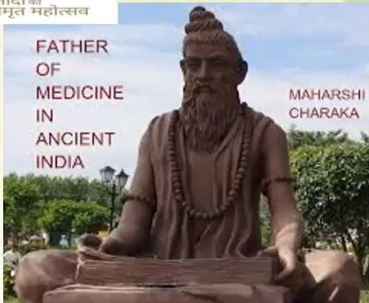
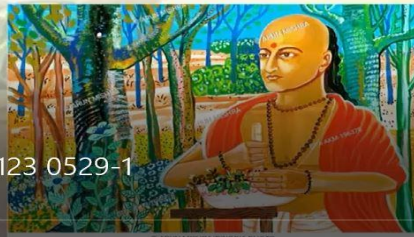


NH P. Honkanadavar U C GUPTA CSMRS, New Delhi

## महर्षि चरक के अनुसार आयुर्वेद:-

75 आज़ादी का अमृत महोत्सव

- जो जीवन के लाभ और नुकसान के साथ-साथ जीवन के लिये क्या अच्छा है और क्या बुरा है, इसका का बोध कराता है।
- सभी जीवित चीजें, जो चेतन या निर्जीव अवस्था में है, आयुर्वेद में उन को तीन मुख्य शाखाओं में विभाजित किया गया है,
  - नारा आयुर्वेद - मानव जीवन से संबंधित विज्ञान
  - पशु चिकित्सा विज्ञान (Veterinary medicine) - पशु जीवन और उसके रोगों से संबंधित विज्ञान
  - वृक्ष आयुर्वेद - पौधे के जीवन, उसके विकास और रोगों से संबंधित विज्ञान
- यह पूरी तरह से स्पष्ट है कि आयुर्वेद न केवल चिकित्सा की एक प्रणाली है, बल्कि पूर्ण सकारात्मक स्वास्थ्य और आध्यात्मिक प्राप्ति के लिए जीवन जीने

Presented by Shri U. C. Gupta, Scientist 'B', CSMRS-2021123 0529-1

